BAISAKHI NIBANDH

नमस्कार पाठकों, इस लेख के माध्यम से आज हम आपको बैसाखी पर निबंध लिखना बताएंगे और बैशाखी के बारे में कुछ अच्छी बाते भी बताएंगे बैशाखी एक राष्ट्रीय त्यौहार है इसको पुरे देश में मनाया जाता है वैसे तो इसको मनाने के कई कारण है परन्तु आज हम आपको कुछ मुख्य कारण बताएंगे पहले आपको बता दे की बैशाखी को वैशाखी या वशाखी के नाम से भी मनाया जाता है वैसे तो बैशाखी का नाम आते ही सिख समुदाय का नाम अपने आप दिमाग में आ जाता है वैसे तो ये सिख समुदाय का त्यौहार है परन्तु इस त्यौहार को पुरे देश में हिन्दुओ द्वारा धूम धाम से मनाया जाता है ये त्यौहार हिन्दुओ द्वारा खुसी का त्यौहार है क्युकी इस दिन को नया साल भी माना जाता ह क्युकी इस दिन किसानो की रबी की फसल पक्क के त्यार हो जाती है और किसानो के घर पे अनाज आ जाता है पीछे लगभग छह माह के बाद अनाज घर पे आता है और ग्रामीण इसको बैशाख के नाम से भी मानते है और इस दिन सिख गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 1699 पंथ की नीव रखी थी इस दिन गुरुद्वारों में, मंदिरो में इस दिन पूजा होती है लोग खुसिया मानते है और मनिदरों और गुरुद्वारों को फूलो से सजाया जाता है जुलुस निकले जाते है झांकिया निकली जाती है और जालियां वाला बाग़ त्रासदी के शहीदो को श्रद्धांजलि भी दी जाती है इस दिन लोग गिद्दा, भंगड़ा और लोक नित्र्य करते है और स्वर्ण मंदिर को शानदार तरीके से सजाया जाता है असम प्रदेश में इस त्यौहार को बिहू के नाम से भी जाना जाता है ये त्यौहार हर साल 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है वैसे तो 13 अप्रैल को मनाया जाता है परन्तु कभी कभी किसी साल 14 अप्रैल को भी मनाया जाता है